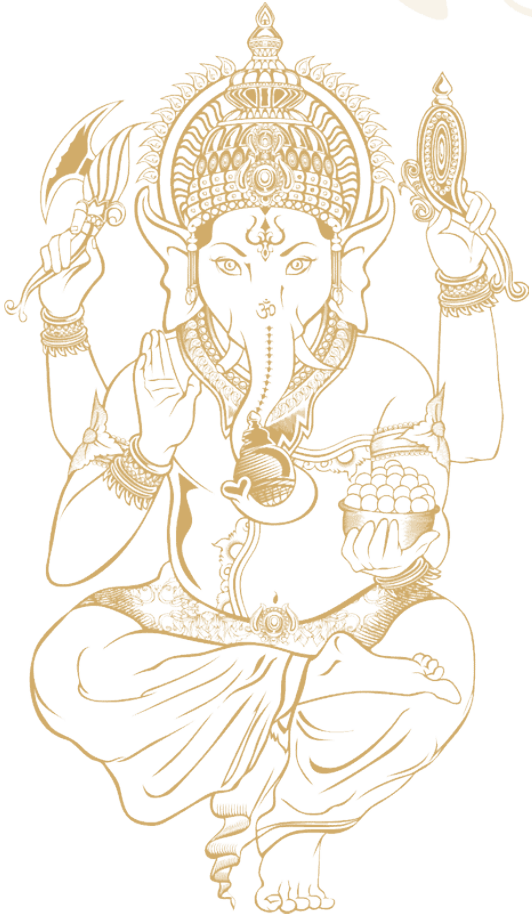

Aevant

Suhani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121409601

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/01/2001	जन्म तिथि	17/12/2001
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:35:00	जन्म समय	16:37:00 घंटे
घटी 25:36:50	जन्म समय(घटी)	23:31:03 घटी
India	देश	India
Pushkar ajmer	स्थान	Ajmer
26:49:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
74:59:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:04	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:20:16	सूर्योदय	07:13:07
17:51:49	सूर्यास्त	17:41:53
23:52:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:47
मिथुन	लग्न	वृष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	मकर
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
कृतिका	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	2
शुभ	योग	ध्रुव
बव	करण	गर
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
मेष	योनि	नकुल
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
गरूड़	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 7मा 22दि		19:35:06	मिथु		लग्न		वृष	16:54:56	सूर्य 3वर्ष 6मा 3दि	
राहु		22:22:33	धनु		सूर्य		धनु	01:41:51	राहु	
31/08/2019		06:20:30	वृष		चंद्र		मक	02:11:56	22/06/2022	
30/08/2037		14:16:34	तुला		मंगल		कुंभ	12:21:41	21/06/2040	
राहु	13/05/2022	29:24:38	धनु		बुध		धनु	08:42:14	राहु	04/03/2025
गुरु	06/10/2024	07:55:38	वृष	व	गुरु	व	मिथु	18:42:15	गुरु	28/07/2027
शनि	13/08/2027	09:06:59	कुंभ		शुक्र		वृश्चि	24:59:14	शनि	03/06/2030
बुध	01/03/2030	00:30:42	वृष	व	शनि	व	वृष	16:28:54	बुध	21/12/2032
केतु	19/03/2031	21:39:16	मिथु	व	राहु		मिथु	03:16:09	केतु	08/01/2034
शुक्र	19/03/2034	21:39:16	धनु	व	केतु		धनु	03:16:09	शुक्र	08/01/2037
सूर्य	11/02/2035	25:03:26	मक		हर्ष		मक	27:57:52	सूर्य	03/12/2037
चन्द्र	12/08/2036	11:39:25	मक		नेप		मक	13:05:28	चन्द्र	04/06/2039
मंगल	30/08/2037	20:05:33	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	21:37:06	मंगल	21/06/2040

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:47

लग्न-चलित

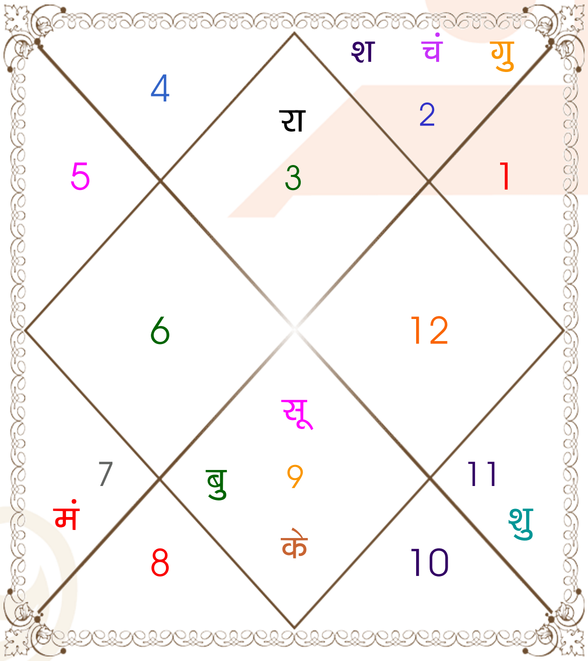

लग्न-चलित

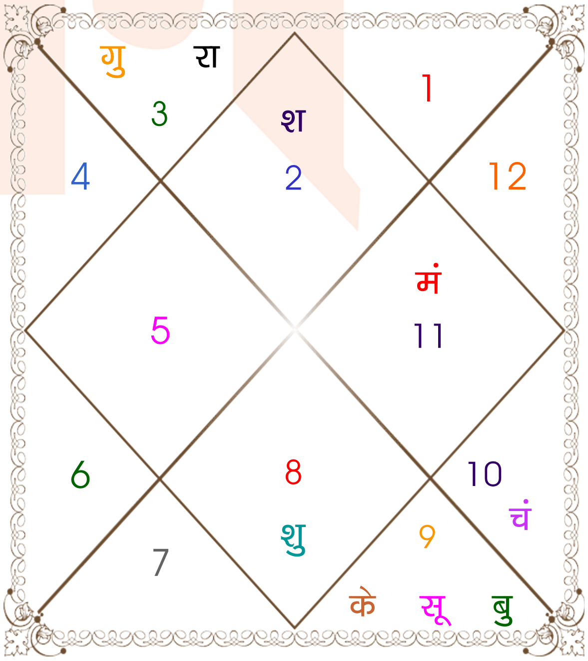

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

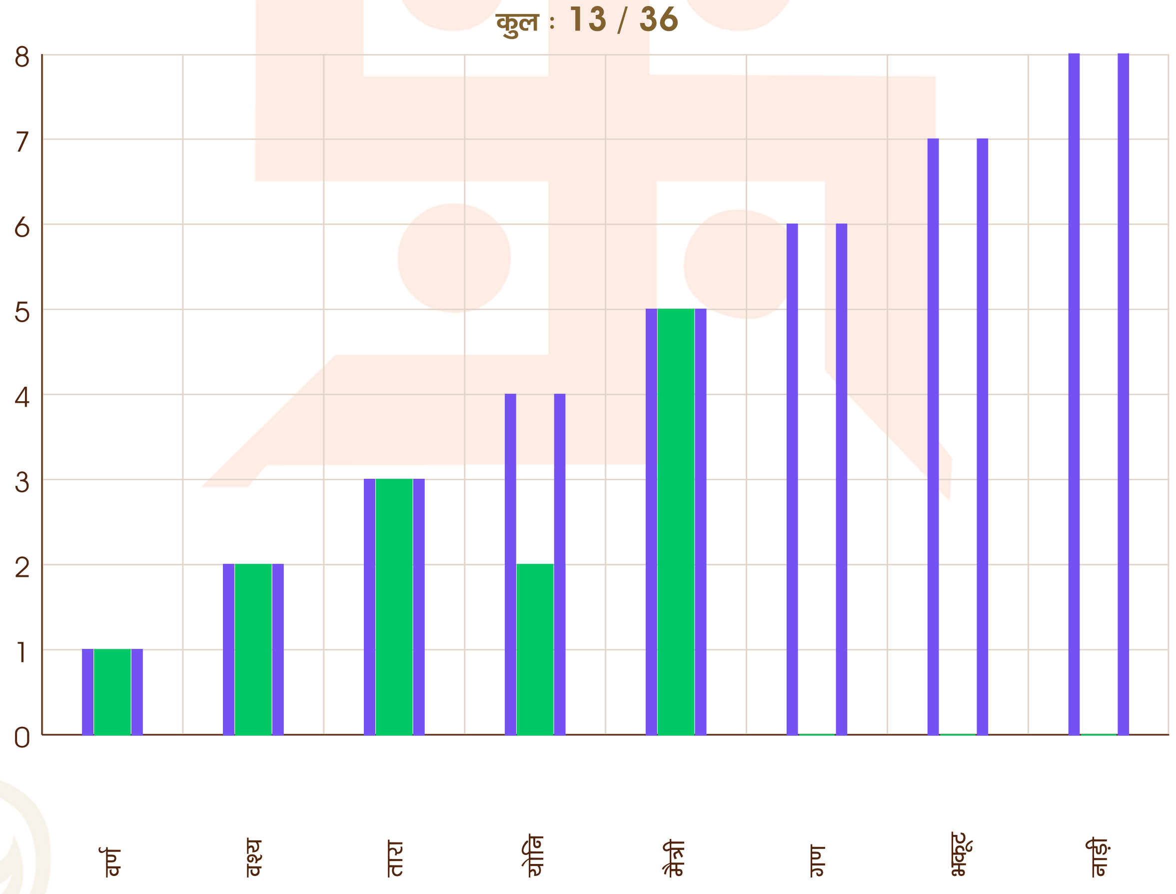

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

।मअंदज का वर्ग गरूड़ है तथा ैनींदप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।मअंदज और ैनींदप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।मअंदज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ैनींदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

।मअंदज तथा ैनींदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।मअंदज का वर्ण वैश्य है तथा ॅनींदप का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण ।मअंदज और ॅनींदप दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रुपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। ।मअंदज और ॅनींदप दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

।मअंदज का वश्य चतुष्पद है एवं ॅनींदप का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ।मअंदज एवं ॅनींदप दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

।मअंदज की तारा जन्म तथा ॅनींदप की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

।मअंदज की योनि मेष है तथा ॅनींदप की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण

दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।मअंदज एवं नींदप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ।मअंदज एवं नींदप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ।मअंदज एवं नींदप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

।मअंदज का गण राक्षस है तथा नींदप का गण मनुष्य है। अर्थात नींदप का गण ।मअंदज के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

।मअंदज से नींदप की राशि नवम भाव में स्थित है तथा नींदप से ।मअंदज की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। ।मअंदज की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

।मअंदज की नाड़ी अन्त्य है तथा नींदप की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ।मअंदज एवं नींदप की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक

रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

।मअंदज और नींदप के मध्य स्वभावगत समानताओं की अपेक्षा विषमताएं अधिक होंगी। इस प्रकार यह मिलान मध्यम रहेगा। लेकिन ।मअंदज की राशि वृष तथा नींदप की राशि मकर दोनों पृथ्वीतत्व युक्त राशि है। अतः यदि मतभेदों एवं विवादों को बुद्धिमता पूर्वक सुलझाया जाय तो इसमें अनुकूलता के अवसरों में वृद्धि हो सकती है। ।मअंदज की राशि का स्वामी शुक्र तथा नींदप का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता के द्योतक है। अतः इनके प्रभाव से ।मअंदज और नींदप के मध्य मधुर संबधों की संभावना विद्यमान रहेगी तथा यदि आपस में सामंजस्य स्थापित किया जाय तो इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत हो सकता है तथा अपने अधिकांश समय को सुख के क्षणों में परिवर्तित करने में वे समर्थ होंगे।

।मअंदज और नींदप की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से ।मअंदज और नींदप की स्वाभिमानी प्रवृति आपसी समस्याओं को सुलझाने की अपेक्षा उलझाने में अधिक सहायक होगी साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान न करने की भी संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन प्रभावित होगा।

।मअंदज का वश्य चतुष्पद तथा नींदप का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं जलचर के मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से उनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानता रहेगी। जिससे दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में इनको सफलता प्राप्त होगी एवं दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

।मअंदज और नींदप दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की प्रवृति धनार्जन के प्रति तत्पर रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को पूर्ण करेंगे। अतः आर्थिक रूप से ।मअंदज और नींदप की स्थिति सुदृढ़रहेगी।

धन

।मअंदज और नींदप का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ।मअंदज और नींदप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

।मअंदज को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

।मअंदज तथा ैनींदप दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे ैनींदप को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त ैनींदप को यदा कदा यौन संबंाी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ।मअंदज और ैनींदप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ।मअंदज और ैनींदप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ैनींदप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ैनींदप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ैनींदप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ।मअंदज और ैनींदप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ।मअंदज और ैनींदप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ैनींदप के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ैनींदप धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ैनींदप के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं

सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ेीदप का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ेीदप से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

।मअंदज के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में ।मअंदज के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण ।मअंदज के प्रति सामान्य ही रहेगा।